PRESS RELEASE

IIM Raipur HR Summit 2025, Brings Industry Leaders Together to Redefine People, Purpose, and Possibilities

Editor Synopsis:

- The two-day summit was held on 8th and 9th November 2025.
- The event brought together industry leaders, HR professionals, and academicians to discuss the future of work.
- The Chief Guest of the event was Smt. Suparna Tandon, Chief Executive Officer, NPS Trust.
- The Guest of Honor was Ms. Rajita Singh, Chief People Officer, Kyndryl.
- Six panel discussions explored key HR themes and emerging challenges.
- The event highlighted the importance of ethical, sustainable, and human-centered leadership.

Raipur, November 9, 2025: Indian Institute of Management (IIM) Raipur, a leading institution recognized for **Building Business Owners,** successfully hosted its flagship HR Summit 2025 on the theme *"People, Purpose, and Possibilities."* The two-day summit, served as a confluence of visionary HR leaders, industry experts, and academicians who came together to discuss the evolving dimensions of human resource management and its pivotal role in shaping purpose-driven, future-ready organizations.

The summit brought together over 35 eminent speakers, including HR heads and senior executives from leading organizations such as Citi, Tata Motors, Bridgestone India, Kyndryl, Accenture, PayU, BPCL, Aster DM Healthcare, and Mosaic Wellness.

The summit also featured **Smt. Suparna Tandon, Chief Executive Officer, NPS Trust**, as the **Chief Guest and Ms. Rajita Singh, Chief People Officer, Kyndryl as Guest of honour**, who shared their insights on adaptive leadership, ethical frameworks, and the importance of purpose-driven human capital strategies in today's rapidly evolving business environment.

Delivering the summit address **Prof. Sanjeev Prashar, Director-in-Charge, IIM Raipur shared,**"The future of work demands leaders who think beyond processes and performance, leaders who lead with conscience and compassion. The HR Summit 2025 reinforces IIM Raipur's belief that when people are at the heart of every decision, possibilities multiply, and purpose becomes the foundation of progress. We aim to inspire leaders to build organizations that are resilient, ethical, and future-focused."

Additionally, **Smt. Suparna Tandon**, Chief Executive Officer of the National Pension System Trust (NPS Trust), delivered a compelling keynote address on the significance of ethical leadership, adaptability, and trust-based decision-making in the modern workplace. "As organizations embrace technology and transformation, it is imperative that we never lose sight of the human values that anchor progress. True leadership lies in creating purpose-driven institutions where ethics and empathy coexist with innovation and growth."

The Valedictory Address delivered by **Ms. Rajita Singh**, Chief People Officer, Kyndryl, who graced the summit as the Guest of Honor. In her address, Ms. Singh emphasized the evolving role of HR as a strategic driver of inclusion, innovation, and transformation. With over two decades of leadership experience in technology and HR, she inspired the audience to view HR not just as a support function but as a catalyst that aligns people, purpose, and performance

The summit featured six thought-provoking panel discussions, each led by distinguished industry leaders and moderated by esteemed faculty members of IIM Raipur. The sessions explored diverse and timely themes that are redefining the modern HR landscape from *Leadership Refined: Building Agile, Ethical, and Human-Centered Leaders* and *Leadership with Conscience: Redefining Corporate Ethics for the Modern Workplace* to *Talent Management in the Age of AI and Automation.* The conversations further delved into *Sustainable HR: People, Planet, and Profit, Linking People Strategy to Financial Performance: Measuring What Truly Matters,* and *Beyond Boundaries: HR as a Strategic Architect.*

These discussions provided a dynamic platform for exchanging ideas on integrating sustainability, ethics, and technology into workforce management while aligning HR strategies with long-term organizational goals.

About IIM Raipur:

Established in 2010, IIM Raipur is a hub for nurturing dynamic leaders, equipping them with the knowledge, experience, and invaluable contacts needed to excel in their respective fields of business. Our institution draws strength from over 50 accomplished academicians across various business domains and over 700 of the brightest minds in the country. In 2024, IIM Raipur proudly achieved significant rankings, including 14th in the MHRD-NIRF Business Ranking, in 2023, securing the top spot in the CSR-GHRDC B- school ranking, and ranking 8th in the Outlook-ICARE list. We are one of the fastest-growing IIMs in the nation. Nestled in the vibrant heart of Chhattisgarh, Naya Raipur, our new, state-of-the-art campus seamlessly blends modern architecture with Chhattisgarh's rich culture and heritage, creating a unique and inspiring learning environment.

For more information, please visit: **www.iimraipur.ac.in**

Building Business Owners

SPEAKER PROFILES
HR SUMMIT
PANEL 1:
Leadership Redefined: Building Agile, Ethical & Human-Centered Leaders
Bhavana Menon
Chirag Suchak

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर
Indian Institute of Management Raipur
Proudly Presents

PRESS RELEASE

आईआईएम रायपुर एचआर समिट 2025: "पीपल, पर्पस और पॉसिबिलिटीज़" पर केंद्रित, उद्योग जगत के दिग्गज और अग्रणी लोगों का संगम

मुख्य बिंदु:

• दो दिवसीय सम्मेलन 8 और 9 नवम्बर 2025 को आयोजित हुआ।

• कार्यक्रम में उद्योग जगत के दिग्गज लोगों, एचआर प्रोफेशनल्स और शिक्षाविदों ने "फ्यूचर ऑफ वर्क" पर विचार साझा किए।

• मुख्य अतिथि थीं श्रीमती सुपर्णा टंडन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एनपीएस ट्रस्ट।

• विशिष्ट अतिथि थीं सुश्री रजिता सिंह, चीफ पीपल ऑफिसर, किंड्रिल।

• छह पैनल चर्चाओं में प्रमुख एचआर विषयों और उभरती चुनौतियों पर चर्चा हुई।

• सम्मेलन में नैतिक, सतत और मानव-केंद्रित नेतृत्व के महत्व पर विशेष जोर दिया गया।

रायपुर, 9 नवम्बर 2025: भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर, जो "बिल्डिंग बिजनेस ओनर्स" के लिए प्रसिद्ध है, ने अपने वार्षिक *एचआर समिट 2025* का सफल आयोजन किया। सम्मेलन का विषय था – "पीपल, पर्पस एंड पॉसिबिलिटीज़"। यह दो दिवसीय आयोजन उद्योग जगत, एचआर विशेषज्ञों और शिक्षाविदों का संगम बना, जिसमें मानव संसाधन प्रबंधन के बदलते स्वरूप और उद्देश्य-आधारित, भविष्य के लिए तैयार संगठनों की भूमिका पर विचार-विमर्श हुआ।

इस समिट में 35 से अधिक प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भाग लिया, जिनमें सिटी, टाटा मोटर्स, ब्रिजस्टोन इंडिया, किंड्रिल, एक्सेंचर, पेयू, बीपीसीएल, एस्टर डीएम हेल्थकेयर और मोज़ेक वेलनेस जैसी प्रमुख कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी और एचआर प्रमुख शामिल थे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती सुपर्णा टंडन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एनपीएस ट्रस्ट, और विशिष्ट अतिथि के रूप में सुश्री रजिता सिंह, चीफ पीपल ऑफिसर, किंड्रिल उपस्थित रहीं। दोनों ने आज के तेजी से विकसित होते कारोबारी माहौल में अनुकूल नेतृत्व, नैतिक ढांचे और उद्देश्य-संचालित मानव पूंजी रणनीतियों के महत्व पर अपने विचार साझा किए।

शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए, आईआईएम रायपुर के डायरेक्टर-इन-चार्ज, प्रो. संजीव पराशर ने कहा, "काम का भविष्य ऐसे नेताओं की मांग करता है जो प्रक्रियाओं और प्रदर्शन से आगे सोचते हैं— जो विवेक और करुणा से नेतृत्व करते हैं। एचआर समिट 2025 यह विश्वास दोहराता है कि जब हर निर्णय के केंद्र में 'लोग' होते हैं, तो संभावनाएं बढ़ती हैं और उद्देश्य प्रगति की नींव बन जाता है। हमारा लक्ष्य ऐसे नेताओं को प्रेरित करना है जो संगठनों को मजबूत, नैतिक और भविष्य उन्मुख बनाएं।"

श्रीमती सुपर्णा टंडन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, नेशनल पेंशन सिस्टम ट्रस्ट (एनपीएस ट्रस्ट), ने अपने मुख्य वक्तव्य में नैतिक नेतृत्व, अनुकूलनशीलता और विश्वास-आधारित निर्णय लेने की भूमिका पर बल दिया। उन्होंने कहा, "जब संगठन तकनीक और परिवर्तन को अपनाते हैं, तो यह याद रखना जरूरी है

कि मानव मूल्यों को कभी नहीं खोना चाहिए, जो प्रगति का आधार हैं। सच्चा नेतृत्व वही है जो उद्देश्य-आधारित संस्थान बनाता है, जहाँ नैतिकता और सहानुभूति, नवाचार और विकास के साथ-साथ चलते हैं।"

समापन सत्र में विशिष्ट अतिथि सुश्री रजिता सिंह, चीफ पीपल ऑफिसर, किंड्रिल ने एचआर की बदलती भूमिका पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि एचआर अब केवल सपोर्ट फंक्शन नहीं, बल्कि समावेशन, नवाचार और परिवर्तन का रणनीतिक प्रेरक बन चुका है। अपने दो दशक से अधिक के नेतृत्व अनुभव के साथ, उन्होंने प्रतिभागियों को प्रेरित किया कि वे एचआर को "पीपल, पर्पस और परफॉर्मेंस" को जोड़ने वाले उत्प्रेरक के रूप में देखें।

सम्मेलन के दौरान छह विचारोत्तेजक पैनल चर्चाएं आयोजित की गईं, जिनमें उद्योग जगत के प्रतिष्ठित दिग्गज लोगों और आईआईएम रायपुर के प्रख्यात प्रोफेसरों ने भाग लिया। इन चर्चाओं में विविध और समसामयिक विषयों पर विमर्श हुआ — जैसे *लीडरशिप रिफाइंड: एजाइल, एथिकल और ह्यूमन-सेंटर्ड लीडर्स का निर्माण*, *लीडरशिप विथ कॉन्शस: आधुनिक कार्यस्थल के लिए कॉर्पोरेट एथिक्स की नई परिभाषा*, *टैलेंट मैनेजमेंट इन द एज ऑफ एआई एंड ऑटोमेशन*, *सस्टेनेबल एचआर: पीपल, प्लैनेट एंड प्रॉफिट*, *लिंकिंग पीपल स्ट्रैटेजी टू फाइनेंशियल परफॉर्मेंस*, और *बियॉन्ड बाउंड्रीज़: एचआर ऐज़ अ स्ट्रैटेजिक आर्किटेक्ट*।

इन चर्चाओं के माध्यम से प्रतिभागियों ने यह समझा कि कैसे स्थिरता, नैतिकता और तकनीक को एकीकृत करते हुए एचआर रणनीतियों को दीर्घकालिक संगठनात्मक लक्ष्यों के साथ जोड़ा जा सकता है।

भा.प्र.सं. रायपुर के बारे में:

वर्ष 2010 में स्थापित भा.प्र.सं. रायपुर गतिशील नेताओं के पोषण का केंद्र है, जो उन्हें व्यवसाय के विविध क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु आवश्यक ज्ञान, अनुभव एवं मूल्यवान संपर्क प्रदान करता है। संस्थान में 50 से अधिक प्रतिष्ठित शिक्षाविदों का संकाय एवं देश के 700 से अधिक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का समूह है। वर्ष 2025 में भा.प्र.सं. रायपुर ने उल्लेखनीय रैंकिंग प्राप्त की – एम.एच.आर.डी.-एन.आई.आर.एफ. व्यवसाय रैंकिंग में 15वाँ स्थान एवं आई.आई.आर.एफ. 2025 रैंकिंग में 13वाँ स्थान। वर्ष 2024 में सी.एस.आर.-जी.एच.आर.डी.सी. बी-स्कूल रैंकिंग में प्रथम स्थान तथा आउटलक-आई.केअर सूची में 8वाँ स्थान प्राप्त किया। यह देश के सर्वाधिक तीव्र गति से प्रगति कर रहे भा.प्र.सं. में से एक है।

छत्तीसगढ़ की राजधानी नया रायपुर के हृदय में स्थित यह अत्याधुनिक परिसर आधुनिक वास्तुकला एवं प्रदेश की समृद्ध संस्कृति और विरासत का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है, जो शिक्षार्थियों के लिए प्रेरणादायी एवं उत्कृष्ट शिक्षण वातावरण प्रदान करता है।

अधिक जानकारी हेतु कृपया देखें: www.iimraipur.ac.in